ग्रामीण पर्यटन व आजीविका बढ़ाने के लिए हुए एमओयू

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन और आजीविका को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विभाग ने मंगलवार को राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ दो एमओयू किए। पहला एमओयू उत्तर प्रदेश पर्यटन व राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के बीच हुआ। इस पांच वर्षीय समझौते का उद्देश्य स्थायी आजीविका विकास और वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुंच के माध्यम से ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाते हुए पर्यटन को बढ़ावा देना और पर्यटन बुनियादी ढांचे का विकास करना है।

दूसरे एमओयू पर राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) और मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से पर्यटन विभाग ने किया समझौता

पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम की मौजूदगी में यूपीएसआरएलएम के साथ हुआ एमओयू। स्रोत : विभाग

टूरिज्म मैनेजमेंट के बीच हस्ताक्षर किए गए। इसका उद्देश्य राज्य में खाद्य सेवा उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए एक स्थायी मॉडल विकसित करना है। यूपीएसआरएलएम संस्थान से क्षमता निर्माण सहित तकनीकी सहायता के साथ टिकाऊ खाद्य सेवा उद्यमों के प्रतिकृति मॉडल विकसित करेगा।

एमओयू पर पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम और यूपीएसआरएलएम की मिशन निदेशक दीपा रंजन ने हस्ताक्षर किए। पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि यह एमओयू ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहित करेगा।

आज से विभागीय समीक्षा बैठक

लखनऊ। लोकसभा चुनाव समाप्त होने के साथ ही विभागों में तेजी से काम शुरू हो गया है। इसी क्रम में पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह 12, 13 व 14 जून को पर्यटन निदेशालय में विभागीय निर्माण कार्यों व अन्य योजनाओं की समीक्षा करेंगे। ब्यूरो